

न्यूनतम 7.8 °C अधिकतम 24.4 °C

**अमृतवाणी**

'हे' को स्वीकारो 'थे' वाले कमी थे ही नहीं।

# मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

केजरीवाल ने मुख्यमंत्री शब्द को कलंकित कर दिया है : मनोहर लाल खट्टर



अदालत ने हटाया है... तो जनता भी हटा देगी.....

सूर्योदय : 7:09 सूर्यास्त-5:56

वर्ष : 53/ अंक : 30

शुक्रवार, 31 जनवरी 2025

माघ, शुक्ल पक्ष, द्वितीया

संवत् 2081

मूल्य 3 रुपये

कुल पृष्ठ-4

## बोर्ड बैठक में 78 करोड़ रुपये के 76 प्रस्ताव पास, 1 निरस्त

► आवासीय भवनों में नहीं बढ़ेगा टैक्स, व्यावसायिक पर दी मंजूरी ► कॉमर्शियल भवनों पर बढ़ेगा अब 20 प्रतिशत तक टैक्स ► नव विस्तारित, नई विकसित कॉलोनिजों में अलग-अलग टैक्स ► वार्ड सभासदों की एकजुटता से बैकफुट पर पालिका प्रशासन

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.)। नगरीय विकास को पंख लगाने के साथ पालिका की आय में बढ़ोतरी को लेकर नगरपालिका परिषद की बोर्ड बैठक में एक बार फिर सभासदों ने टैक्स बढ़ाने के पालिका प्रशासन के प्रस्ताव पर विरोध दर्ज कराया। पूरे सदन में सभासद टैक्स बढ़ाने के विरोध में आ जाने से उनकी नाराजगी व सदन को सहमति पर पालिका ने टैक्स प्रस्ताव को अभी टालते हुए इसमें संशोधन किए जाने का निर्णय लिया है। बोर्ड में मांग की है कि आवासीय भवनों पर टैक्स दर ब्यावसायिक रखते हुए शहरी क्षेत्र में व्यावसायिक भवनों पर 20 प्रतिशत की वृद्धि लागू की जाये व नये क्षेत्र के साथ छूटी संपत्तियों को टैक्स के दायरे में लाया जाये तो पालिका की आय में बढ़ोतरी होगी। करीब 75 मिनट तक चलती बोर्ड बैठक में 77 प्रस्तावों में से करीब 78 करोड़ के विकास कार्यों वाले 76 प्रस्ताव सहमति से पारित किये गये, जबकि एक प्रस्ताव निरस्त कर दिया है।



77 प्रस्तावों को वारी-वारी से चर्चा के लिए पेश किया। इसमें प्रस्ताव संख्या

429 पर वार्ड सभासदों ने एकजुटता के साथ चेयरपर्सन के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराया। वार्ड सभासद राजीव शर्मा, मनोज वर्मा, अरू कुंजरी, योगेश मिश्र, शोकर अंसारी, मो. खालिद, रजत धीमान सहित अन्य सभासदों ने इस प्रस्ताव के माध्यम से शहरी क्षेत्र में अचल संपत्तियों पर टैक्स बढ़ावो के निर्णय का विरोध करते हुए इसे जनहित के खिलाफ बताया। सभासदों का कहना था कि अभी तक पालिका संपत्तियों पर टैक्स निर्धारण नहीं कर पायी है, तो ऐसे में टैक्स बढ़ाने के बजाए छूटी संपत्तियों पर टैक्स लागू करने व व्यवसायिक भवनों पर टैक्स बढ़ाया जाये। सदन में रखे प्रस्ताव में पालिका के पुराने क्षेत्र के आवासीय भवनों पर कर की दरें ब्यावसायिक करे हुए सम्पूर्ण शहरी क्षेत्र में आवासीय दरों के मुकाबले व्यावसायिक भवनों पर 20 प्रतिशत वृद्धि करने के साथ ही इसके साथ नव विस्तारित क्षेत्र में अचल संपत्तियों को दो श्रेणियों पुराने ग्रामीण क्षेत्र व नव विकसित कॉलोनिजों में विभाजित करते हुए यहां पर ग्रामीण में 40 पैसे और नव विकसित कॉलोनिजों में 80 पैसे प्रति वर्गफुट दर से मासिक किराया तब तक हो कर निर्धारण किए जाने की पैरवी की। सदन की सहमति पर इस प्रस्ताव को शेष - पृष्ठ-4 पर



### 5 फरवरी को पीएम मोदी नहीं जाएंगे प्रयागराज! अमृत स्नान के दिन वीआईपी एंट्री पर रोक

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 फरवरी को प्रयागराज नहीं जाएंगे। सूत्रों के अनुसार महाकुंभ में मंची भागदंड को वजह से उन्होंने स्नान का प्रोग्राम रद्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी फरवरी के महीने में किसी दिन कुंभ में स्नान करने जा सकते हैं। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इसके अलावा महाकुंभ में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रयागराज में चाहनें की 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में अचानक भागदंड रद्द कर दिया गया। इसमें 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा घायल हो गए। यूपी पुलिस ने इस



गुरुवार को पहले तो छुपाने की कोशिश की, लेकिन देर रात घटना की जानकारी देते हुए मूककों की संख्या बताई। घटना के एक दिन बाद प्रदेश सरकार ने भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं।

### कपड़ा व्यापारी की रेल से कटकर दुखद मौत

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.) गांधी कॉलोनी के रहने वाले कपड़ा व्यापारी की सुबह 9 बजे अचानक ट्रेन की चोपट में आकर दुखद मौत हो गयी। गांधी कॉलोनी निवासी अनमन ग़ोवर को ड्राइवरी में आने के निकट कपड़ों का कारोबार करता था। आज सुबह 9 बजे के आसपास वह अपने घर गांधी कॉलोनी से किसी काम से सरवट फाटक की ओर से जा रहा था, तभी सरवट फाटक पर उसने अपनी बाइक साइड में खड़ी करके रेलवे लाइन पर कने की कोशिश की, इसी बीच वह ट्रेन की चोपट में आ गया, जहां मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच पड़ताल के बाद व्यापारी की पहचान गांधी कॉलोनी निवासी अनमन ग़ोवर के रूप में हुई। शाम साढ़े तीन बजे गमगीन माहौल में व्यापारी का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

## बसेड़ा के छह वर्षीय सैफ का शव गांव में पड़ा मिला

छपार, 30 जनवरी (बु.)। बसेड़ा गांव से रहस्यमय ढंग से घर के बाहर से लापता हुए छह वर्षीय बालक सैफ का शव गांव में पड़ा मिला। उसकी गर्दन काटकर हत्या की गई थी। सूचना पर पुलिस बल के साथ ही सीओ सदर मौके पर पहुंचे। फिंगर प्रिंटर टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया, जिससे ग्रामीण उत्तेजित हुए थे। बच्चे की निर्मम तरीके से हत्या की गई थी। सीओ सदर राजू कुमार साव ने बताया कि मृतक बच्चे के हत्यारों की सुरागरी के हत्यारों की सुरागरी के रूप में हुई। शाम साढ़े तीन बजे गमगीन माहौल में व्यापारी का अंतिम संस्कार कर दिया गया।



सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, तो बोरे में मिले शव की पहचान सैफ के रूप में हुई, जिससे परिजन में मातम छा गया।



है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हुआ है। वहीं ग्रामीणों का सांत्वना देने को ताता लगा रहा। मृतक का एक चार वर्षीय भाई व तीन माह



की बहन है। छपार पुलिस के साथ ही एसओजी व सर्विलांस टीम भी सैफ की हत्या के खुलासे के प्रयास में लगी है।

### निर्ममता से की गयी छह साल के मासूम की हत्या

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.) छपार थाना क्षेत्र के गांव बसेड़ा से लापता छह साल के बच्चे की हत्या के मामले में जब खून से लथपथ बोर खोला गया तो मासूम सैफ के शरीर पर धारदार हथियारों के निशान देखकर साफ दिखाने दे रहा था कि छोट से मासूम की किस तरह से निर्ममता से हत्या की गयी होगी। सैफ की गर्दन पर भी खून के निशान साफ झलक रहे थे। माना जा रहा है कि या तो किसी ने तंत्र क्रिया करने के उद्देश्य से मासूम की बंदी से हत्या की है या कोई पुरानी रंजिश के चलते मासूम को निशाना बनाया गया है।

## गाजियाबाद की नरगिस बानो निकली स्या सेंटर की संचालिका

### नेपाल व बंगाल से आई युवतियों से कराये जा रहे थे गंदे धंधे

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.)। जैसा कि सर्वविदित है कि मुज़फ़्फ़रनगर में आए दिन अत्याचारों के अंडे मिलने लगे हैं मगर अब वह मामलों और संदिग्ध तब तक रहे हैं, जब इन्की संचालिकाएं किसी भी शहर से आकर मुज़फ़्फ़रनगर में काम कर बैठती हैं और कोई पूछताछ करने वाला नहीं होता। ऐसे में कोई किसी दिन बड़ी घटना को अंजाम देकर चला जायेगा और शायद मुज़फ़्फ़रनगर पुलिस को हवा भी नहीं आएगी। महावीर चक्र विभक्त एक स्कायर मॉल में दो दिन पहले स्या सेंटर से पकड़ी गयी संचालिका व युवतियां संदिग्ध ही निकलीं। उक्त सेंटर की संचालिका नरगिस बानो निवासी बौधपुर, डीएलएफ सोसायटी,

शालीमार गार्डन, जिला गाजियाबाद निकली, जोकि मोहल्ला ब्रह्मपुरी व रह रही थी। पुलिस ने मौके से जिन तीन युवतियों को हिरासत में लिया, उक्त युवतियों भी आसपास ही नहीं नेपाल, बंगाल और दिल्ली की निवासी हैं। ऐसे में यह तबती तो साफ हो रही है कि मुज़फ़्फ़रनगर में कोई कहीं से भी आकर पनाह ले सकता है और उससे किसी प्रकार की कोई पूछताछ नहीं हो पाती। स्वयंवर सेंटर से स्या सेंटर के नाम पर अनेक धंधे कराने वाली संचालिका से अब पूछताछ की जा रही है। एएसआई केपी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नेपाल, बंगाल और दिल्ली की लड़कियां से जब पूछताछ की गयी तो उन्होंने

### ऐसी अवैध धंधे कराने वाली संचालिका व युवतियों को किराये पर मकान देने वाले भी उतने ही गुनाहगार

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.)। जब नेपाल, दिल्ली अथवा बंगाल से आकर कोई भी मुज़फ़्फ़रनगर में किराये पर मकान अथवा मकान ले सकता है तो ऐसे में तो कोई भी संचालिका भी मुज़फ़्फ़रनगर में आकर आसानी से रह सकता है। इस मामले में संचालिका तो दोषी है ही, साथ ही साथ वह लोग भी दोषी हैं जो उन्हें बिना आईडी पूर्फ व बिना पुलिस को जानकारी दिये किराये पर रख लेते हैं। इन्हें किराये पर रखने वाले लोग भी क्यों नहीं पकड़े जाने चाहिए, यह सवाल अपने आप में छोटा नहीं है। देश में जब भी कोई बच्चा घटनाक्रम होते हैं तो वे इसी तरह से होते हैं कि पनाह देने वाले उन्हें बिना पुलिस को सूचित किये पनाह दे देते हैं और वे किसी भी घटना को अंजाम देकर चले जाते हैं। नेपाल से कैसे कोई युवती मुज़फ़्फ़रनगर में आकर रह सकती है, यह सवाल अपने आपमें बड़ा सवाल है। पुलिस को इस मामले में उक्त युवतियों के मकान मालिकों से भी पूछताछ करनी चाहिए कि आखिर किस आधार पर उन्होंने युवतियों को मुज़फ़्फ़रनगर में रखा हुआ था।

## टायर फटने से ट्रैक्टर डिवाइडर से टकराया, चालक गम्भीर घायल

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.)। गुरुवार को दोपहर रडकी रोड पर अजीबोगरीब हादसा हुआ। अस्पताल की ओर से आ रहे एक ट्रैक्टर का एकाएक टायर फट गया, जिससे ट्रैक्टर अचानक होकर डिवाइडर से जा टकराया और ट्रैक्टर चालक औंधे मुंह जमीन पर जा गिरा। जैसे ही ट्रैक्टर चालक सड़क पर गिरा तो हाथोंहाथ वह बेहोश हो गया। लोगों में सूचना फैली कि ट्रैक्टर चालक की मौत हो गयी है। सी।एस।एल। मीडिया पर भी ट्रैक्टर चालक की मौत की खबर चल चुकी थी, मगर जैसे ही चालक को अस्पताल ले जाया गया



और डॉक्टरों ने उसको उपचार दिया तो उसकी सांसे चल रही थी। डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार देकर रवाना कर दिया। डॉक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें उसका नाम नहीं पता है, बस इतना पता लग पाया है कि वह इन्दा कॉलोनी निवासी है। गंभीर अवस्था में ऑक्सिजन देकर रडकी रोड पर धाएँ हुए उक्त व्यक्ति को तत्काल जिला चिकित्सालय से रेफर कर दिया गया।

## भड़काऊ भाषण व निजी परिवाद के मामले में कोई गवाह नहीं हुआ पेश, समन जारी

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.)। 31 अगस्त 2013 को सिखेड़ा थाना क्षेत्र के नंगला मंटेड के मैदान में पंचायत का अनावेदन किया गया था। इस मामले में आज भड़काऊ भाषण व निजी परिवाद के मामले में कोई भी गवाह पेश नहीं हुआ, जिसे चले दोनो मामलों में गवाहों के पेश होने की 21 तारीख तक की गयी है। आपको बता दें कि नंगला मंटेड पंचायत में कई नेताओं ने भड़काऊ भाषण दिये थे और जिनमें से बड़ा दंगा हुआ था। भड़काऊ भाषण देने के मामले में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सजीव बालिवन, पूर्व ग्वा मंत्री सुरेश शर्मा, विजोहर के पूर्व सांसद कुंजर भालेडू, बुढ़ाना के पूर्व विधायक उमेश मलिक, चक्रेमन श्यामलाल, साधुजी प्राची, सतिन, खीन्द्र, योगेश, मिर्चू, बिट्टू सिखेड़ा, विन्दर प्रसूव, शिवकुमार सहित चौदह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी थी। पुलिस ने सभ के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में मुकदमे के दौरान विन्दर प्रसूव को मीत हो गयी थी तथा शिवकुमार को फइलत को अलग कर दिया गया था। निजी परिवाद के मामले में गजमंती कर्पिल देव अग्रवाल, सांसद हेमन्त मलिक सहित 20 के खिलाफ परिवाद दर्ज कराया गया था। बाबाव पक्ष के वरिष्ठ अधिकाता श्यामवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त मामले में आज गुरुवार को गवाह पेश नहीं हुए, जिस कारण कोई सुनवाई नहीं हो सके। कोर्ट ने गवाहों को पेश होने के लिए समन जारी किये हैं। वहीं आरोपियों की ओर से कोर्ट में हार्जिरी मारपी हो गयी। दोनो मामलों में अगली तारीख 21 फरवरी निवत की गयी है।

## हैलमेट पहनने वालों के ही कटते हैं चालान तो फिर काहे को किया जा रहा हैलमेट पहनाकर दुपहिया वाहन चालकों का सम्मान

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.)। पिछले एक साल से लगातार जिस तरह ग्रामीण क्षेत्रों से हैलमेट पहनकर आ रहे लोगों का चालान के नाम पर आर्थिक शोषण हो रहा है, उसकी गुंज हरेक व्यक्ति के कानों में आराम से मंजूरी है। बच्चे-बच्चे को पता है कि जो भी व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र से आयेगा और उसने हैलमेट पहना होगा, सबसे पहले उसको कोई नया वाहन चालान काटा जाएगा, मगर अब पिछले दो माह से एक नई गांधीगिरी की जा रही है। स्वयं यातायात विभाग के अधिकारी चौराहों पर खड़े होकर दुपहिया वाहनों को हैलमेट पहनाते हैं। उनके गले में माला डालते हैं और उन्हें सम्मान देते हैं, मगर आमजन के मन में इस गांधीगिरी का कोई अर्थ इस्तेमाल समझ में नहीं आ रहा, क्योंकि यही यातायात विभाग हैलमेट पहने लोगों का चालान काटकर आर्थिक उन्नीहून कर रहा है और यही विभाग हैलमेट अपनी ओर से पहनाकर

गांधीगिरी करने की कोशिश कर रहा है। यदि गांधीगिरी ही करनी है तो कम से कम दूर-दराज से हैलमेट पहने व्यक्ति को जब यातायात पुलिस घेरेकर पकड़ती है तो उसे नियम कानून बताकर ही छोड़ दे, मगर मुज़फ़्फ़रनगर में तो चंद हैलमेट बांटकर सैकड़ों हैलमेट पहने लोगों के घेर-घेरेकर चालान किये जाते हैं। यदि इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण भी चाहिए हैं तो खुद अधिकारी हर चौराहे पर हैलमेट पहने लोगों का शोषण होते खुलेआम देख सकते हैं। चार चार यातायात विभाग के कर्मों एक-एक वाहन चालक को इस तरह से घेरेकर दबावते हैं, जैसे किसी बरदाश की घेराबंदी की जाती है। ऐसे में हैलमेट बांटने और फूलों की माला पहनाने का कोई अर्थ नहीं दिखाई पड़ता। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों का यह अपमान व आर्थिक शोषण बंद नहीं होना, तब तक ऐसी गांधीगिरी का कोई लाभ नहीं।

### माफिया डॉन सुशील मूँछ के दूसरे बेटे पर भी इनाम की तैयारी

मुज़फ़्फ़रनगर, 30 जनवरी (बु.)। दो दिन पहले मैक्स रियल एस्टेट प्रोजेक्ट कम्पनी के मैनेजर को धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान माफिया डॉन सुशील मूँछ के बेटे अश्वय जोत उर्फ मोनी व उसके कब्जे शूटर अमरदीप को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दोनों के पास से असलहा भी बरामद किया था और एक गाड़ी भी अपने कब्जे में ली थी। अब अश्वयजीत के बाद सुशील मूँछ के दूसरे बेटे मंजीत उर्फ टोनी पर भी इनाम की तैयारी की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में मंजीत उर्फ टोनी को भी नामजद किया था। डीआईजी व एसएसपी अमिषेक सिंह ने एक लाख के इनामी सुशील मूँछ तथा उसके बेटे की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की हैं। अब देखा जा रहा होगा कि क्या वास्तव में सुशील मूँछ व उसके दूसरे बेटे की गिरफ्तारी मुज़फ़्फ़रनगर पुलिस कर पाती है अथवा नहीं।







